एम0बी0ए0 व एम0सी0ए0 के छात्रों के लिए साप्ताहिक औद्योगिक भ्रमण

हिन्दुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड कम्प्यूटर स्टडीज (एच0आई0एम0सी0एस0) ने दिनांक 31 जनवरी से 05 फरवरी के मध्य अपने एम0बी0ए0 व एम0सी0ए0 के विद्यार्थियों के लिए अलग–अलग औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण करते हुए प्रोडक्सन के प्रोसेज को करीब से जानने का मौका दिया। इसमें 40 विद्यार्थियों का एक दल डॉ0 सिद्धार्थ, प्रो0 कपिल व डॉ0 गुंजन के मार्गदर्शन में सन सिटी जोधपुर और गोल्डेन सिटी जैसलमेर के लिए गया जिसमें विद्यार्थियों को पंकज गम एवं कैमिकल इण्डस्ट्रीज में चॉकलेट बनाने की प्रणाली को विस्तार से समझा। जैसलमेर में विद्यार्थियों ने सफारी के साथ–साथ जोधपुर महल व जैसलमेर किला का भी लुत्फ उठाया।

वहीं दूसरी ओर **डॉ0 नवीन गुप्ता** (निदेशक–संस्थान), **डा0 अभिलाषा सिंह** (विभागाध्यक्षा), डा0 शीतल, प्रो0 शान्तनु साहू व प्रो0 राहुल खण्डेलवाल व 70 विद्यार्थियों ने भरतपुर स्थित ''अपना घर'' का दौरा किया जो कि डा0 भार्गव द्वारा सन 2000 से संचालित है। यह 'अपना घर' उन लोगों को आश्रय देता है जो गंभीर बीमारी की हालत में सड़क पर पड़े रहते हैं और उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होता। डा0 भार्गव ऐसे लोगों को 'प्रभुजी' कहते हैं और उन्हें 'अपना घर' में इलाज के साथ–साथ आजीवन मुफ्त आश्रय भी देते हैं। इन लागों में वृद्ध, महिला, बच्चे, दिव्यांगजनों के साथ–साथ जीव–जन्तुओं को भी आश्रय दिया जाता है। भरतपुर स्थित केन्द्र पर लगभग 2000 लोग रह रहे हैं जिन पर प्रतिदिन लगभग साढ़े चार लाख रूपये का खर्च वहन किया जाता है। अपना घर के कुल 7 और केन्द्र भारतवर्ष में और एक केन्द्र नेपाल में कार्यरत है। 'अपना घर' देखने के बाद विद्यार्थियों ने भरतपुर स्थित 'केवलादेव पक्षी विहार' का भी भ्रमण किया जहाँ विदेशों से आने वाले अनोखे प्रवासी पक्षियों को करीब से देखा।

अगले दिन 40 विद्यार्थियों के दल ने डा0 शीतल, प्रो0 शांतनु व प्रो0 प्रशान्त के साथ डॉवर फुटवियर इण्डस्ट्रीज आगरा का दौरा किया। श्री राजीव मिश्रा जो कि यहाँ एच0आर0 मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, ने विद्यार्थियों को जूते बनाने की प्रणाली को विस्तार से समझाया।

अन्तिम दिन बाकी 40 विद्यार्थियों ने 'सलोनी'–महेश एडिबल ऑयल कम्पनी का दौरा डा0 शीतल, प्रो0 राहुल व प्रो0 प्रशान्त शर्मा के मार्ग दर्शन में किया जहाँ उन्होने सरसों के तेल को बनाने की प्रक्रिया को जाना। **डॉ0 नवीन गुप्ता** जी ने स्वयं सभी विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये इण्डस्ट्रियल प्रजेन्टेशन का अवलोकन किया एवं विजेताओं को प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया। उन्होने बताया कि इस तरह के साप्ताहिक इंण्डस्ट्रियल भ्रमण से विद्यार्थियों में न केवल औद्योगिक समझ बढती है साथ ही साथ अपना घर जैसे संस्थान को देखकर समाज के लिए कुछ करने का विचार भी उत्पन्न होता है।